महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) (A
Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय के स्त्री-अध्ययन विभाग में

उपन्यासकार प्रकाश मिश्र का व्याख्यान

वर्धा दि. 9 अक्टूबर 2012 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के स्त्री-अध्ययन विभाग में सुविख्यात उपन्यासकार तथा विचारक श्रीप्रकाश मिश्र ने विभिन्न विषयों पर विमर्शात्मक व्याख्यान दिये। स्त्री-अध्ययन विभाग में एम. ए. तथा एम. फिल. पाठयक्रमों के विद्यार्थियों के समक्ष दिये गए व्याख्यान में उन्होंने पाठयक्रमों के अलावा स्त्री आंदोलन का द्वितीय एवं तृतीय चरण, कामसूत्र की विवेचना एवं उपद्रवग्रस्त क्षेत्रों में महिला यथार्थ इत्यादी विषयों पर व्याख्यान दिये। मिश्र ने महिला आंदोलन के द्वितीय एवं तृतीय चरण पर दिये व्याख्यान में भारत सहित पूरे विश्व में महिला आंदोलनों की उत्पत्ती के बारे में अवगत कराया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ में महिलाओं के अधिकारों के लिए आयोजित सम्मेलनों में पारित महिला संबंधी मुद्दों को किस प्रकार लागू किया गया, इसकी भी चर्चा की। कामसूत्र की विवेचना करते हुए उन्होंने स्त्रियों के खिलाफ की जानेवाली देह की राजनीति के विषय में बताया।

पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर तथा पूर्वोत्तर आदि उपद्रव प्रभावित राज्यों में महिलाओं से संबंधित मुद्दों का भी उन्होंने अपने व्याख्यान में जिक्र किया। मिश्र ने अपने नागालैंड में बिताये गये दिन के अनुभवों को भी विद्यार्थियों के साथ साझा किया। व्याख्यान के अंत

में विद्यार्थियों द्वारा उपस्थित की गयी जिज्ञासाओं को भी उन्होंने संतुष्ट किया। इन व्याख्यानों में छात्र प्रतिनिधि चित्रलेखा अंशु, विभागीय छात्र-छात्राओं के अतिरिक्त अन्य विभागों के विद्यार्थी भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन स्त्री-अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. शंभू गुप्त ने किया।

बी एस मिरगे

जनसंपर्क अधिकारी

फाटो कॅप्शन : स्त्री-अध्ययन विभाग व्याख्यान देते श्रीप्रकाश मिश्र। मंच पर प्रो. शंभु गुप्त